

विमत भूमि:	मलीयती:	अस्टाम्प:	किता अस्टाम्प:	स्तरे:	रूप:
9,842-68/-	10,000/-	880/-	पच	51	510
रक्वा:-	500*1, 200*1, 100*1, 40*2=880/-				
0-4 विधा					

॥ वे य ना मा ॥

यह कि विक्रेया विलेख आज दिनांक:- 2 ~~जन~~ सन 1991 को

श्री/ठाकुर नरेन्द्र चन्द, पुत्र श्री दुर्गा चन्द, पुत्र श्री रघुनाथ, उमर 72 साल, साकिन पट्टा महलोग, परगना नाली, उप-तहसील कृष्णद, जिला सोलन हिमाचल प्रदेश  
 ॥ जिसे पहले पक्ष में विक्रेता कहा गया है ॥ प्रथम पक्ष व श्री धनी राम, पुत्र श्री राम दास, पुत्र श्री महन्त, साकिन मौजा ऊबु, परगना मलोण, उप-तहसील राम्नाहर, जिला सोलन हिमाचल प्रदेश ॥ जिसे इसके उपरान्त क्रेता कहा गया है ॥  
 द्वितीय पक्ष के बीच लिखा गया है ।

यह कि विक्रेता प्रथम पक्ष भूमि खेद/खतोनी न० 1/1 मिन, कारा न० 53/5, रक्वा तदादी एक विधा व 18 विस्वा वाका मौजा पट्टा, परगना नाली, उप-तहसील कृष्णद, जिला सोलन हिमाचल प्रदेश का मालिक तथा काबिज है

वै-नामा मु० 10,000/३  
अस्यम मु० 850/३

कार्यालय उप दीर्घाकार  
कृष्णगढ़

*[Signature]*

Sub-Registrar  
Krishnagarh, District Solan (H.P.)

*[Signature]*  
पेशकता

भेद चक्र  
मह विलेख ..... पुत्र/पुत्री .....  
नियमो. प्र. डा. परगना ..... उप तहसील  
कृष्णगढ़ ने आज दिनांक 25.3.91 तदनुसार  
..... को भेदे कार्यालय में पंजीकरण  
होना किना

*[Signature]*

Sub-Registrar  
Krishnagarh, District Solan (H.P.)

Sub-R  
Krih

-: 2 :-

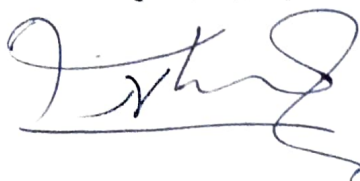
जैसा कि नक़ल जमाबन्दी साल 1984-85 में द्वायिया गया सलगन हे ।

यह कि विक्रेता प्रथम पक्ष ने अपनी उपरोक्त भूमि खसरा न<sup>o</sup> 53/5 में से खसरा न<sup>o</sup> 53/5<sup>2</sup> रकवा तदादी 0-4 किछा ॥ चार विस्वा ॥ वाका मोजा पटटा, परगना नाली, उप-तहसील कृष्णद, जिला सोलन हिपु० के विक्रेया करने का सोदा क्रेता के साथ व क्रेता द्वितीय पक्ष ने उपरोक्त रकवा क्रेया क्रेया करने का सोदा विक्रेता के साथ मु० 10,000/- ॥ दस हजार रुपये ॥ निस्व जिस्के 5,000/- ॥ पाच हजार रुपये ॥ होते हे, में कर लिया हे ।

यह कि विक्रेता प्रथम पक्ष ने अपनी उपरोक्त भूमि खसरा न<sup>o</sup> 53/5<sup>2</sup> रकवा तदादी चार विस्वा जिस्का ततीमा सलगन हे, के विक्रेया करने का सोदा क्रेता के साथ मु० 10,000/- रुपये में किये बुथा हे । विक्रेता प्रथम पक्ष ने पुरी लेय राशि मु० 10,000/- ॥ दस हजार रुपये ॥ रुक्क गवाहान के पहले ही वसुल कर ली हे अब लेने को रुक्क सब-रजिस्ट्रार कृष्णद के वा वक्त तसदीक रजिस्ट्री कुछ नही रहा हे ।

यह कि विक्रेता प्रथम पक्ष ने अपनी उपरोक्त भूमि 4 विस्वा के विक्रेया

पृष्ठ-: 3 :-



इस विलेख का आका-कर-वाक्य पेशकर्ता को लिखित पत्राचार के समक्ष पढ़ कर सुनाया व समझाया गया, जिसे सुन व समझ कर उसने इस के विषय में भी सही स्वीकार किया।

पेशकर्ता ने मु. 10,000 रु० पहले ही क्रेता से प्राप्त करते स्वीकार किये। व वरि मु०..... रु० (..... रुपये) के लिए समझा क्रेता नोट के रूप में अदा किये किये विवरों से वसूल कर लेना स्वीकार किया।

श्री. श्री. राम से मैं स्वयं परिचित हूँ जो विष्णुदत्त व दूसरे एवाह की भी पहचान करता है अतः विलेख पंजीकृत होने।

Sub-Registrar  
Kishanganj, District Bolan (H.P.)

Sub-Reg  
Kishan

श्री. राम  
पेशकर्ता

राम  
गणेश

-: 3 :-

करने का सौदा क्रेता के साथ रु० 10,000/- रुपये में स्वात्व, स्वामित्व, पथ, जल, वायु, प्रकाश, सुख, भोग अधिकार, जावपाशी, आवनोशी, चरान्द, कटान्द, वन अधिकार, आबादी का अधिकार तथा अन्य अधिकार जो भी विक्रेता को उपरोक्त रक्वा के सम्बन्ध में है या होते ही पूर्ण विक्रेता रूप में हमेशा के लिए क्रेता के पक्ष में हस्तान्तरण कर दिये है। अब क्रेता उपरोक्त रक्वा का का मालिक तथा काबिज है जिसको कि उपरोक्त भूमि हर प्रकार से लेय करने, रहन करने, बिब्बा करने, तबादला करने व पट्टा आदि पर देने का पूर्ण अधिकार तथा क्षमता है।

यह कि विक्रेता ने मौका पर उपरोक्त रक्वा का कब्जा क्रेता को सौंप दिया है अब अगर उपरोक्त रक्वा वेसुदा या किसी बूटी से क्रेता के कब्जा तथा अ अधिकार से निकल जावे तो ऐसी अवस्था में विक्रेता क्रेता की हानि अपनी सम्पति से पूरा करने को बाध्य होगा।

पृष्ठ:- 4 :-



प्रमाणित किया जाता है कि दिवेस सो 34  
दिनांक 25.2.94 जोकृत हो कर वही सो 1.....  
के सपड सो 2..... के पृष्ठ सो 5..... पर  
दख हुआ तथा प्रति बतौरित वही सो 1.....  
के धारा सहा 8..... के पेज नो 44.....  
से 49..... तक चरया किये गये तथा अन्य  
काम जात अनुसार वही सख्या नो 3..... पेज  
नो 59..... तक चरया किये गये ।

Sub-Registrar

Krishnagarh, District Solan (H.P.)

Sub-Reg  
Solan

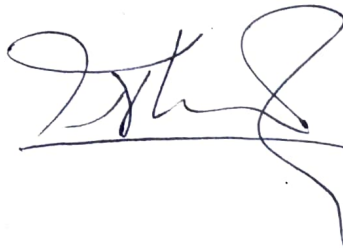
-: 4 :-

यह कि विक्रेता यह भी विश्वास दिलाता है कि उपरोक्त भूमि हर प्रकार से साफ व पाक है तथा यह भी लिखा देता है कि उपरोक्त भूमि पर अब उसके किसी वारिस उत्तराधिकारी का कोई वास्ता किसी किस्म का नहीं होगा ।

यह कि क्रेता के पिता के नाम देह हज़ा में अपनी मलकीयती अराजी है जिसको कि इस क्रेता अपने पिता के साथ मिल कर कार्त करता है और हिमाचल प्रदेश में कृषक की परिभाषा के अन्तर्गत आता है इसलिए क्रेता हिमाचल प्रदेश में भूमि खरीदने की क्षमता रखता है ।

यह कि विक्रेता विलेख में प्रयोग किये गये शब्दों में विक्रेता व क्रेता के अतिरिक्त उनके जाईज वारिस उत्तराधिकारी भी सम्मिलित समझे जावेंगे ।

पृष्ठ:- 5 :-



*[Handwritten signature]*

Sub-Registrar  
Krishnagarh, District Bolan (D.P.)

Sub-Regi  
Kriko

# Himachal Government Judicial Paper

-: 5 :-

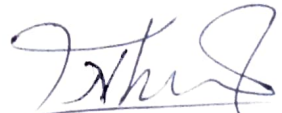


जतः किजेता के मरने के बाद पुत्रों के द्वारा किजेता ने अपने

तन-मन की पूर्ण स्वास्थ्य अवस्था तथा स्वातन्त्र बन्धा से निम्न हस्ताक्षर करने वाले साक्षियों की मौजूदगी में हस्ताक्षर कर दिये कि प्रमाणित रहें और कबते करत काम जावे । मजबूत किजेता नामा पढ़ा कर सुन व समझ लिया जोकि सुन व समझ कर सही व दुरुस्त माना आज दिनांक:- 2-3-1991 स्थान कृष्णद ।

गवाह:- S. K. Sharma

किजेता



॥ ठाकुर नरेन्द्र चन्द ॥

1. जसवंत सिंह 34-5-1917  
राज पंचायत आरि 54

2. किजेता  
हैत राज सुपुत्र श्री ल. श. श. श.  
राज नाल सिद्धा नालुकी

  
बसीला नदी 21/3/91

पञ्चपाम हत वामा  
60 फसोली जिला सोलन (हि.प्र.)

8.40 83

2/3/91

*Chander*

*Sub-Register*

*Krishanpur, District Bolan (H.P.)*

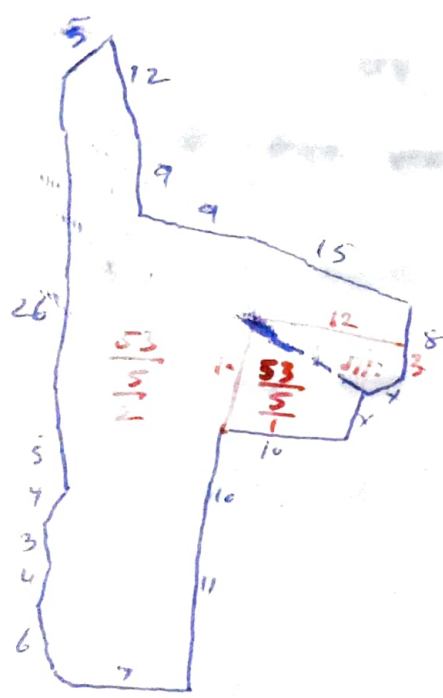
*Sub-Register*  
*Krishanpur*

तीसरी शिफा नं. 431 252 पुरानी नाली 3 पल्लोत वृ. 6. 11. 13 शिवा माला

कालखण्ड: 160  
 पुरानी बालुवा 2 सितर 35  
 20 फी. 4 फी. 2-2  
 फी. = 54"

49

तीसरी शिफा नं. 431



53/5  
 53/5/1  
 53/5/1

20(7+3) = 60  
 2  
 13(2+2) = 26  
 2 = 56

20 फी. 4 फी. 2  
 0-4 19/4

तीसरी शिफा नं. 431 = 1-14  
 फी. 3/4

डिप्टा 0 विख्या 6 विख्याली विख्याली

तीसरी शिफा नं. 431 पुरानी नाली 3 पल्लोत वृ. 6. 11. 13 शिवा माला

Sub-Registrar  
 Krichangarh, District Solan (H.P.)

431 5 12 148  
 22 1 91 178

कालखण्ड 160

पुरानी बालुवा 2 सितर 35

20 फी. 4 फी. 2-2

फी. = 54"



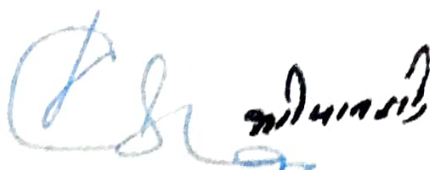
क्रमांक	नाम प्रति या तरफ वत नाम नम्बरदार व तादाद मुद्दामला	नाम मासिक व ऐहवाल	नाम कासका (व ऐहवाल)	नाम बाह व बीयर वनापल बाबपासी	नम्बर हाथ खसरा	एकदा हर खेत व सिंचा खाता मय किसम धरातल		लगान जो करा गया करता है व तफतील धरह व तादाद	हिस्सा व पैमाना हुकीमत व तरीका बाछ	मुतासला व नरह मुपामाना व हदव	बिला खालन
						बीचों मे	मीटिक इकाईयो मे				
49	वशरत शिवर 201	जीतराम पुत्र व श्री प्री शंकर पुत्री व श्री प्री श्यामी विद्या जीरखु पुत्र खजानु पुत्र लट्टीया व हिंसा वशरत निस्प	शुद्धवाशत व प्रखन्नज मालवान		404	10-0 वजह लदीप्र 7-0 दोडा 3-0 और मुसबिन पर 0-9			वशरत शिवर -101		
		समयस पुत्र प्रहनु पुत्र लट्टीया निस्प			405	3-11 घासनी 3-0 और मुसबिन पर 0-11					
		शाबिन देह			407	8-0 शिवर दोडा 4-10 दोडा 2-10 घासनी 1-0 आबादी 0-10					
					किटे 3	22-0 मजसुआ 4-10 शिवर दोडा और मजसुआ 17-10 व. शरीफ 7-0 घासनी 3-0 दोडा 4-10 2-0 आबादी 0-10					

बिना मुलाकिक मसल के दलद है  
समल के दल खजाना शहर की  
शुद्ध वजह मुसबिन  
शुद्ध वजह मुसबिन

444  
30.4.90

मल मोहन एक लाला माला पहा नं. 252 पलाग, माली 34 तहसील खेडगाव  
 ला साल 1989-90

क्रमांक	माल व माल	माल माल	माल माल	दस्ता माल	माल	कुल माल	सिल माल
11.	0.18	-	0.15	1-2	0.11	3-6	75000/-
-	0.50	0.33	0.16	0.16	0.03	-	-
माल	2460.67	1624.04	287.41	287.41	147.64	-	-
माल	49213.40	32480.80	15748.20	15748.20	2952.80	-	-

 **Sub-Registrar**  
 Krishnagarh, District Solan (H.P.)  
 4812-12 1429.  
 22-1-91 178